Regarding Namami Gange Project

श्री सनातन पांडेय **(**बलिया**) :** माननीय सभापति महोदय जी, मैं भारत में दूध उत्पादन में लगे पशुपालकों के उत्पाद के विषय में अपनी बात रखना चाहता हूं ।

सभापति महोदय, संपूर्ण भारतवर्ष में दूध का उत्पादन 239.39 मिलियन टन है । इसमें एक राज्य, जहां से मैं आता हूं, वह उत्तर प्रदेश है, वह पूरे उत्पादन के 16.21 प्रतिशत की पूर्ति ? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** श्री सनातन पांडेय जी, आपने अपना विषय ?नमामि गंगे परियोजना? के बारे में दिया है ।

श्री सनातन पांडेय **:** नहीं सर, मेरा विषय ?दूध? पर है ।

माननीय सभापति **:** नहीं, हमारे सामने यह जानकारी है कि आपका विषय ?नमामि गंगे परियोजना? के बारे में है और आप दूसरा विषय उठा रहे हैं ।

श्री सनातन पांडेय **:** थैंक-यू, सर ।

श्री कल्याण बनर्जी **(**श्रीरामपुर**) :** सभापति जी, आप आ गए हैं?

माननीय सभापति **:** आप जहां जाइएगा, वहां हमें पाइएगा ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** अब आप बैठ जाएं, अपना स्थान ग्रहण करें ।

श्री सनातन पांडेय **:** सभापति जी, नमामि गंगे सुनने में बहुत अच्छा लगता है । मैं एक बात जानना चाहता हूं कि नमामि गंगे योजना आज से दस वर्ष पहले शुरू की गई थी । इसमें माँ गंगा कि पवित्रता और स्वच्छता का सवाल था । मैं जहां से आता हूं, उसके पीछे गाजीपुर है, बनारस है, इलाहाबाद है, कानपुर है, कहीं भी गंगा का जल पवित्र नहीं हो पाया है ।

माननीय सभापति **:** आपकी मांग क्या है?

श्री सनातन पांडेय **:** सभापति जी, हम चाहते हैं कि जो भारी-भरकम राशि खर्च की गई है, उसकी जांच भारत सरकार की किसी उच्च कमेटी से कराई जाए कि नमामि गंगे योजना में जितना पैसा खर्च हुआ, वास्तव में वह पैसा धरातल पर पहुंचा या नहीं, क्योंकि गंगा का जल साफ नहीं हुआ है ।